MONTHLY SYLLABUS

SESSION-2017-18

CLASS-XII

विषय-समाजशास्त्र

माह	विषयवस्तु
अप्रैल 2017	**इकाई-1, अध्याय-1 - भारतीय समाज एक परिचय** - उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद पाश्चात्य शिक्षा, वर्ग एवं समुदाय **अध्याय-2 - भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना**- जनसांख्यिकी, जनगणना का इतिहास एवं उसका महत्व, माल्थस का जनसंख्या वृद्धि का सिद्धान्त, जनसांख्यिकी संक्रमण का सिद्धान्त, सामान्य संकल्पनाऐं एवं संकेतन, जन्म-दर, मृत्युदर, प्राकृतिक वृद्धि दर, स्त्री-पुरुष अनुपात, पराश्रितता, भारत की जनसंख्या का आकार एवं संवृद्धि, आयु संरचना, भारत में गिरता हुआ स्त्री-पुरुष अनुपात, साक्षरता, ग्रामीण नगरीय विभिन्नताएँ, भारत की जनसंख्या नीति। **अध्याय-3 - सामाजिक संस्थाएँ: निरन्तरता एवं परिवर्तन** - भारत में जाति एवं जाति-व्यवस्था, अतीत में जाति, जाति की विशेषताएँ, पृथक्करण एवं अधिक्रम, उपनिवेशवाद व जाति, जाति संस्था में परिवर्तन, जाति का समकालीन रूप, संस्कृतिकरण, प्रबल जाति, जनजातीय समुदाय, जनजातीय समाजों का वर्गीकरण, स्थायी विशेषक, अर्जित विशेषक, जनजाति, एक संकल्पना की जीवनी, मुख्यधारा के समुदायों का जनजातियों के प्रति रवैया, राष्ट्रीय विकास बनाम जनजातीय विकास, समकालीन जनजातीय पहचान, परिवार व नातेदारी, मूल एवं विस्तारित परिवार, परिवार के विविध रूप।
मई 2017	**अध्याय-4 - बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में** - बाजार व अर्थव्यवस्था, छत्तीसगढ़ के जिला बस्तर में धोराई गाँव का एक साप्ताहिक 'आदिवासी बाजार', बाजारों का सामाजिक संगठन,

	उपनिवेशिक भारत में जाति आधारित बाजार एवं व्यापारिक तन्त्र, पारम्परिक व्यापारिक समुदाय, उपनिवेशवाद व नए बाजार, पूंजीवाद सामाजिक व्यवस्था के रूप में, पण्योकरण और उपभोग भूमंडलीकरण स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय बाजारों का गठजोड़, उदारीकरण पर बहस : बाजार बनाम राज्य। **ग्रीष्मकालीन अवकाश**
जुलाई 2017	**इकाई-1, अध्याय-5 - सामाजिक विषमता व बहिष्कार के स्वरूप** सामाजिक विषमता, सामाजिक स्तरीकरण, पूर्वाग्रह, सामाजिक अपवर्जन या बहिष्कार, जाति : एक भेदभाव पूर्ण व्यवस्था, अस्पृश्यता, भेदभाव मिटाने के लिये राज्य व अन्य संगठनों द्वारा उठाये गए कदम, अन्य पिछड़े वर्ग, आदिवासी संघर्ष, स्त्रियों की समानता और अधिकारों के लिऐ संघर्ष, अन्यथा सक्षम व्यक्तियों का संघर्ष। **अध्याय-6 - सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ** सांस्कृतिक विविधता का अर्थ, विविधता की झलक, सामुदायिक पहचान, समुदाय, राष्ट्र व राष्ट्र राज्य, सांस्कृतिक विविधता एवं भारतीय राष्ट्र राज्य, सांस्कृतिक विविधता, भारतीय संदर्भ में क्षेत्रवाद, धर्म संबंधी मुद्दे और पहचाने, अल्पसंख्यकों के अधिकार, साम्प्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता, एवं राष्ट्र राज्य आर नागरिक समाज। **इकाई-2, अध्याय-1 - संरचनात्मक परिवर्तन** उपनिवेशवाद को समझना, उपनिवेशवाद के परिणामस्वरूप भारतीय समाज में हुए परिवर्तन, संरचनात्मक परिवर्तन, औद्योगीकरण, नगरीकरण, विऔद्योगीकरण चाय की बागवानी, स्वतन्त्र भारत में औद्योगीकरण व नगरीकरण
अगस्त 2017	**अध्याय-2 - सांस्कृतिक परिवर्तन** औपनिवेशिक काल में भारत में सांस्कृतिक परिवर्तन, उन्नीसवी व बीसवी शताब्दी के प्रारंभ में हुए समाज सुधार आन्दोलन, आधुनिक

	परिवर्तन, संस्कृतिकरण व उसकी आलोचना, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण व पंथनिरपेक्षीकरण। **अध्याय-3 - भारतीय लोकतंत्र की कहानियाँ** भारतीय संविधान, लोकतंत्र के मूल्य, संविधान सभा का इतिहास, संविधान और सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक न्याय, पंचायती राज, पंचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था, 73वां संविधान संशोधन, पंचायत की शक्तियाँ व उत्तरदायित्व, न्याय पंचायत, जनजातीय पंचायत, राजनैतिक दल, दबाव समूह और लोकतांत्रिक राजनीति। **अध्याय-4 - ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन** ग्रामीण समाज, कृषि तथा संस्कृति का सम्बन्ध, कृषक संरचना: ग्रामीण भारत में जाति एर्व वर्ग, भूमि सुधार के परिणाम।
सितम्बर 2017	**अध्याय-4 - ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन** हरित क्रान्ति व इसके सामाजिक परिणाम, स्वतन्त्रता के बाद ग्रामीण समाज में परिवर्तन, मजदूरों का संचार, भूमंडलीकरण, उदारीकरण तथा ग्रामीण समाज, संविदा खेती, किसानों द्वारा आत्महत्या। Yuva Session : कन्या भ्रूण हत्या **(Book-1) अध्याय-7 - परियोजना कार्य के लिए सुझाव** **SA-I/Ist Term Exam**
अक्टूबर 2017	**शरदकालीन अवकाश** **अध्याय-5 - ओद्योगिक समाज में परिवर्तन एवं विकास** औद्योगिक समाज, भारत में औद्योगीकरण, संगठित एवं असंगठित क्षेत्र, भूमण्डलीकरण, उदारीकरण एवं भारतीय उद्योगों में परिवर्तन, लोग रोजगार किस तरह पाते हैं। काम को किस प्रकार किया जाता हैं। कार्यवास्थाएँ, घरों में होने वाला काम, हड़तालें, तालाबन्दी, मजदूर संघ।

	अध्याय-6 - भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन भूमण्डलीकरण व सामाजिक परिवर्तन, भूमण्डलीकरण के प्रभाव, भूमण्डलीकरण के विभिन्न आयाम, भूमण्डलीय संचार, भूमंडलीकरण और एक नया अन्तर्राष्ट्रीय श्रम विभाजन, सजातीयकरण बनाम संस्कृति का भूस्थानीकरण, उपभोग की संस्कृति, कारपोरेट (निगम) संस्कृति, स्वदेशी शिल्प, साहित्यिक परम्पराओं और ज्ञान व्यवस्थाओं को खतरा।
नवम्बर 2017	**अध्याय-7 - जनसंपर्क साधन और जनसंचार** दैनिक जीवन में जनसंचार की उपयोगिता, जनसंचार का अर्थ, आधुनिक मास मीडिया का प्रारंभ, स्वतंत्र भारत में मास मीडिया, रेडियों टेलीविजन, प्रिंट मीडिया, भूमंडलीकरण और मीडिया। **अध्याय-8 - सामाजिक आंदोलन** सामाजिक आंदोलन का अर्थ एवं सामान्य परिचय, सामाजिक आंदोलन के लक्षण, सामाजिक आंदोलन क अध्ययन की आवश्यकता, सामाजिक आंदोलन के सिद्धान्त, विभिन्न प्रकार के सामाजिक आंदोलन, सुधारवादी, प्रतिदानात्मक, क्रान्तिकारी, नए व पुराने सामाजिक आंदोलन, पारिस्थितिकीय आंदोलन, वर्ग आधारित आंदोलन, जाति आधारित आंदोलन, जनजातीय आंदोलन, महिला आंदोलन।
दिसम्बर 2017	**पुनरावृत्ति Book-1 अध्याय 1 से 6** **पुनरावृत्ति Book-2 अध्याय 1 से 8** **मॉक टेस्ट**
जनवरी 2018	**शीतकालीन अवकाश** **प्री बोर्ड परीक्षा**
फरवरी 2018	**पुनरावृत्ति - सहायक सामग्री, सी.बी.एस.ई., सेम्पल पेपर**

	प्री-बोर्ड पेपर की पुनरावृत्ति **मॉक टेस्ट की पुनरावृत्ति** **प्रयोगात्मक परीक्षा**
मार्च 2018	**वार्षिक परीक्षा**